MED 008

GLOBALISATION AND ENVIRONMENT

IMPORTANT QUESTIONS

BOTH HINDI AND ENGLISH MEDIUM

Scholarly Minds

TOPIC – 1

Climate Change:

Climate change refers to long-term changes in the average weather patterns on Earth, primarily due to human activities. The main contributors are the increased levels of greenhouse gases like carbon dioxide, methane, and nitrous oxide, which trap heat in the atmosphere.
जलवायु परिवर्तन पृथ्वी पर औसत मौसम के पैटर्न में दीर्घकालिक परिवर्तन को संदर्भित करता है, मुख्य रूप से मानव गतिविधियों के कारण। मुख्य योगदानकर्ता ग्रीनहाउस गैसों जैसे कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, और नाइट्रस ऑक्साइड के बढ़े हुए स्तर हैं, जो वातावरण में गर्मी को फँसाते हैं।

Key Points:
मुख्य बिंदु:

Causes: The burning of fossil fuels, deforestation, and industrial processes are major sources of greenhouse gases.
कारण: जीवाश्म ईंधनों का जलना, वनों की कटाई, और औद्योगिक प्रक्रियाएँ ग्रीनहाउस गैसों के मुख्य स्रोत हैं।

Effects: Rising temperatures, melting glaciers, rising sea levels, and increased frequency of extreme weather events.
प्रभाव: बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ते समुद्र स्तर, और चरम मौसम की घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति।

Impacts on Ecosystems: Disruption of habitats, extinction of species, and coral bleaching.

पारिस्थितिक तंत्र पर प्रभाव: आवासों का विघटन, प्रजातियों का विलुप्त होना, और मूंगा ब्लीचिंग।

Human Health: Increased heat-related illnesses, respiratory problems, and the spread of infectious diseases.
मानव स्वास्थ्य: गर्मी से संबंधित बीमारियों में वृद्धि, श्वसन समस्याएँ, और संक्रामक रोगों का प्रसार।

Mitigation: Reducing greenhouse gas emissions, transitioning to renewable energy sources, and increasing energy efficiency.
निवारण: ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ना, और ऊर्जा दक्षता बढ़ाना।

Adaptation: Building resilient infrastructure, developing drought-resistant crops, and improving water management systems.
अनुकूलन: लचीला बुनियादी ढाँचा बनाना, सूखा प्रतिरोधी फसलों का विकास, और जल प्रबंधन प्रणालियों में सुधार।

TOPIC – 2

Sustainability of Food Security:

Sustainability of food security refers to ensuring that all people have access to sufficient, safe, and nutritious food that meets their dietary needs for an active and healthy life, both now and in the future. It involves balancing environmental, economic, and social factors to maintain the availability of food resources.

Key Points:
मुख्य बिंदु:

Environmental Balance: Sustainable farming practices, preserving biodiversity, and reducing waste and pollution.
पर्यावरण संतुलन: सतत कृषि पद्धतियाँ, जैव विविधता का संरक्षण, और अपशिष्ट और प्रदूषण को कम करना।

Economic Viability: Supporting farmers' livelihoods, fair trade, and ensuring food affordability.

Scholarly Minds

आर्थिक व्यवहार्यता: किसानों की आजीविका का समर्थन, निष्पक्ष व्यापार, और खाद्य पदार्थों की वहनीयता सुनिश्चित करना।

Social Equity: Ensuring equal access to food for all, addressing malnutrition, and empowering communities.
सामाजिक समानता: सभी के लिए खाद्य पदार्थों की समान पहुंच सुनिश्चित करना, कुपोषण को संबोधित करना, और समुदायों को सशक्त बनाना।

Climate Resilience: Developing climate-resilient crops, improving water management, and adapting to changing weather patterns.
जलवायु सहनशीलता: जलवायु-लचीली फसलों का विकास, जल प्रबंधन में सुधार, और बदलते मौसम पैटर्न के अनुकूलन।

Technological Innovation: Utilizing technology to improve crop yields, enhance food distribution, and reduce post-harvest losses.
तकनीकी नवाचार: फसल उत्पादन में सुधार, खाद्य वितरण को बढ़ाना, और कटाई के बाद के नुकसान को कम करने के लिए तकनीक का उपयोग करना।

Policy and Governance: Implementing policies that support sustainable agriculture, food security, and environmental protection.
नीति और शासन: सतत कृषि, खाद्य सुरक्षा, और पर्यावरण संरक्षण का समर्थन करने वाली नीतियों को लागू करना।

TOPIC – 3

Role of International Financial Institutions in Globalisation:

International financial institutions (IFIs) such as the International Monetary Fund (IMF), World Bank, and World Trade Organization (WTO) play a significant role in facilitating and promoting globalisation. They provide financial support, policy advice, and a platform for international cooperation, helping to integrate economies and promote global economic stability and growth.

Key Points:
मुख्य बिंदु:

Financial Support: IFIs provide loans and grants to countries for development projects, infrastructure, and economic reforms.

Scholarly Minds

वित्तीय समर्थन: अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ विकास परियोजनाओं, बुनियादी ढांचे, और आर्थिक सुधारों के लिए देशों को ऋण और अनुदान प्रदान करती हैं।

Policy Advice: These institutions offer policy advice and technical assistance to help countries implement economic policies that promote growth and stability.
नीतिगत सलाह: ये संस्थाएँ देशों को विकास और स्थिरता को बढ़ावा देने वाली आर्थिक नीतियों को लागू करने में मदद करने के लिए नीतिगत सलाह और तकनीकी सहायता प्रदान करती हैं।

Trade Promotion: The WTO, in particular, works to reduce trade barriers and facilitate smooth and fair international trade.
व्यापार संवर्धन: विशेष रूप से WTO व्यापार बाधाओं को कम करने और सुगम और निष्पक्ष अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए काम करता है।

Crisis Management: The IMF helps countries manage balance of payments problems and financial crises through financial assistance and policy guidance.
संकट प्रबंधन: IMF वित्तीय सहायता और नीतिगत मार्गदर्शन के माध्यम से देशों को भुगतान संतुलन समस्याओं और वित्तीय संकटों का प्रबंधन करने में मदद करता है।

Capacity Building: IFIs invest in capacity building by providing training and resources to strengthen the economic management capabilities of countries.
क्षमता निर्माण: अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ देशों की आर्थिक प्रबंधन क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान करके क्षमता निर्माण में निवेश करती हैं।

Global Integration: By promoting economic reforms and liberalization, IFIs help integrate national economies into the global market, enhancing globalisation.

वैश्विक एकीकरण: आर्थिक सुधारों और उदारीकरण को बढ़ावा देकर, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं को वैश्विक बाजार में एकीकृत करने में मदद करती हैं, जिससे वैश्वीकरण बढ़ता है।

Scholarly Minds